



---

.. Shri Dattatreya Stotra 4 ..

॥ श्रीदत्तात्रेयस्तोत्रम् ४ ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : Dattatreyastotra 4

File name : dattastotra4.itx

Location : doc\_deities\_misc

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Prasad M myshopping.prasad at gmail.com

Proofread by : Prasad M myshopping.prasad at gmail.com

Latest update : October 10, 2016

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

October 10, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

॥ श्रीदत्तात्रेयस्तोत्रम् ४ ॥

अनसूयात्रिसम्भूत दत्तात्रेय महामते ।  
सर्वदेवाधिदेव त्वं मम चित्तं स्थिरीकुरु ॥ १ ॥  
शरणागतदीनार्ततारकाऽखिलकारक ।  
सर्वचालक देव त्वं मम चित्तं स्थिरीकुरु ॥ २ ॥  
सर्वमङ्गलमाङ्गल्य सर्वाधिव्याधिभेषज ।  
सर्वसङ्कटहारिन् त्वं मम चित्तं स्थिरीकुरु ॥ ३ ॥  
स्मर्तृगामी स्वभक्तानां कामदो रिपुनाशनः ।  
भुक्तिमुक्तिप्रदः स त्वं मम चित्तं स्थिरीकुरु ॥ ४ ॥  
सर्वपापक्षयकरस्तापदैन्यनिवारणः ।  
योऽभीष्टदः प्रभुः स त्वं मम चित्तं स्थिरीकुरु ॥ ५ ॥  
य एतत्प्रयतः श्लोकपञ्चकं प्रपठेत्सुधीः ।  
स्थिरचित्तः स भगवत्कृपापात्रं भविष्यति ॥ ६ ॥  
इति श्रीपरमहंस परिव्राजकाचार्य  
श्रीमद्वासुदेवानन्दसरस्वतीस्वामीविरचितं श्रीदत्तस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥  
(यह एक प्रभावी स्तोत्र है । साधक व विद्यार्थी इसका प्रयोग मन  
की चञ्चलता कम करने हेतु वा एकाग्रता बढ़ाने हेतु अवश्य  
करें और अनुभव लें ।)

Encoded and proofread by Prasad M myshopping.prasad at  
gmail.com

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

